ढोल

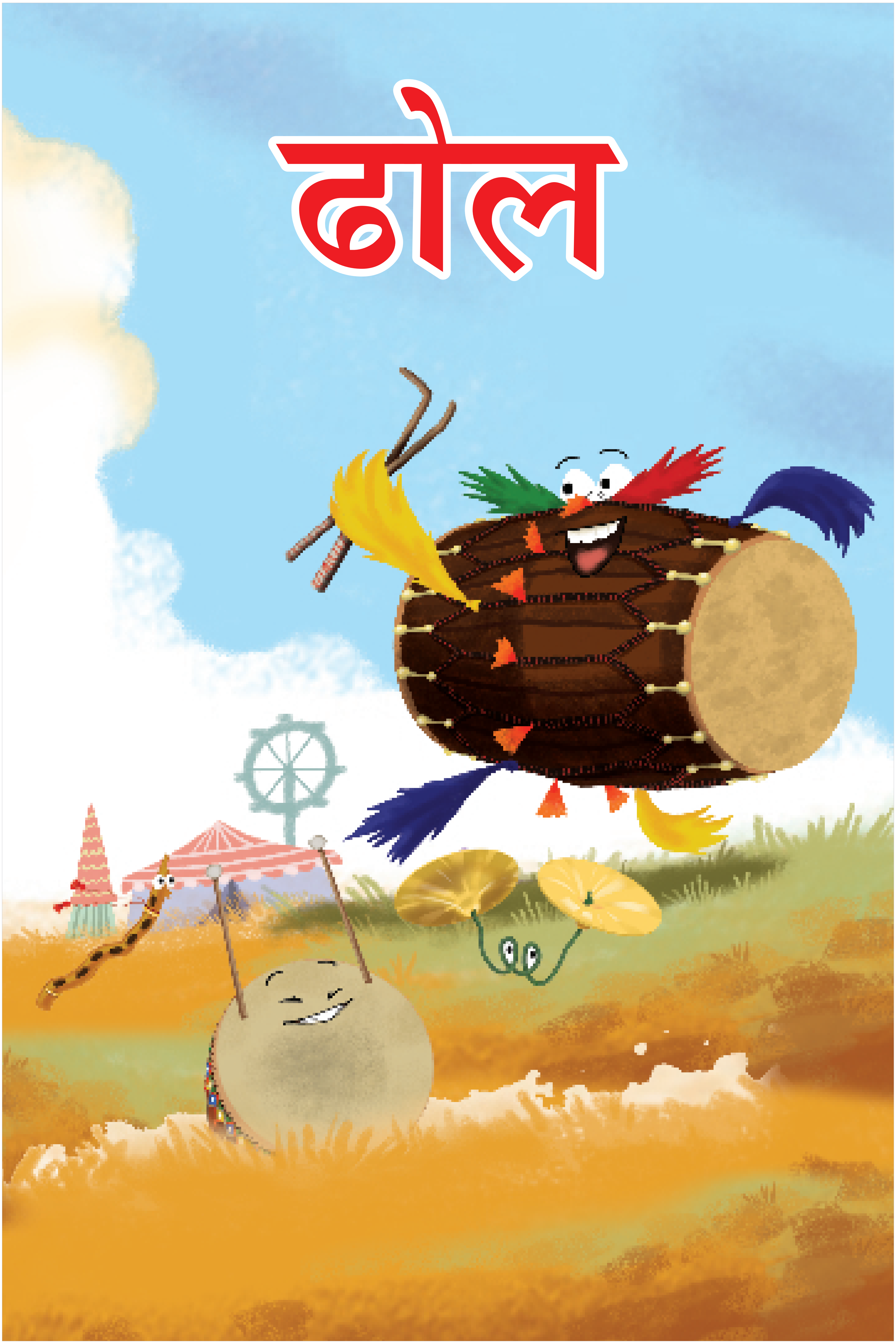

Front Cover Page

मेले में ढोल, नगाड़ा, बाँसुरी और मंजीरा आये। सभी मजे से बजने लगे।

नगाड़ा बोला–ढम–ढम–ढम।
बाँसुरी बोली–पीं–पीं–पीं।
मंजीरा बोला–छमाक–छम।

तभी ढोल पर एक लड़के ने पानी फेंक दिया।

ढोल बेसुरा बजा–धब–धब–धब।
सुनकर सब हँसने लगे।

दुखी ढोल वहाँ से भागा।

वह डूंगरे पर चढ़ गया।

ढोल का पैर फिसला।
वह डूंगरे से फिसलने लगा।

लुढ़कता हुआ ढोली के
पैरों के पास रुका।

ढोली ने ढोल पर नया चमड़ा मढ़ा।

ढोल के बिना सब उदास थे।

तभी ढोल नगाड़ा, बाँसुरी और मंजीरा के पास आया। सब बहुत खुश हुए।

सब बोले- ढोल तुम कहाँ चले गए थे?
तुम्हारे बिना मजा नहीं आया।

सब मिलकर बोले– ढोल भाई,
अब से हम साथ रहेंगे।

सारे बाजे मिलकर बजने लगे। मेले में लोग झूमने लगे। गाने लगे। नाचने लगे।

Front Cover Inner Side Page

ढोल

मेले में ढोल, नगाड़ा, बाँसुरी और मंजीरा आये। सभी मजे से बजने लगे। नगाड़ा बोला-ढम-ढम-ढम। बाँसुरी बोली-पीं-पीं-पीं। मंजीरा बोला-छमाक-छम। तभी ढोल पर एक लड़के ने पानी फेंक दिया। ढोल बेसुरा बजा-धब-धब-धब। सुनकर सब हँसने लगे। दुखी ढोल वहाँ से भागा। वह डूंगरे पर चढ़ गया। ढोल का पैर फिसला। वह डूंगरे से फिसलने लगा। लुढ़कता हुआ ढोली के पैरों के पास रुका। ढोली ने ढोल पर नया चमड़ा मढ़ा। ढोल के बिना सब उदास थे। तभी ढोल नगाड़ा, बाँसुरी और मंजीरा के पास आया। सब बहुत खुश हुए। सब बोले- ढोल तुम कहाँ चले गए थे? तुम्हारे बिना मजा नहीं आया। सब मिलकर बोले- ढोल भाई, अब से हम साथ रहेंगे। सारे बाजे मिलकर बजने लगे। मेले में लोग झूमने लगे। गाने लगे। नाचने लगे।

मुख्य शब्द - ढोल, नगाड़ा, मंजीरा, बाँसुरी

Language and Learning foundation
LLF
शिक्षा का अधिकार
सर्व शिक्षा अभियान
सब पढ़ें सब बढ़ें
unicef

Back Cover Page